नागर विमानन मंत्रालय
राज्यव सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1613
सोमवार, 13 दिसंबर, 2021/22 अग्रहायण, 1943 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

<u>पटना विमानपत्तन के विस्तार की स्थिति</u>

1613. श्री राम नाथ ठाकुरः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पटना विमानपत्तन के विस्तार की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने बिहटा में विमानपत्तन का निर्माण करने के लिए पहले कोई विचार किया था;
(ख) यदि हाँ, तो उक्त की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ग) उड़ान योजना के तहत बिहार में कितने अन्य शहरों को शामिल करने का प्रस्ताव है; और
(घ)उक्त योजना के तहत शामिल किए जाने वाले शहरों में सुविधाओं के निर्माण कार्य की स्थिति क्या है?

<u>उत्तघर</u>

<u>नागर विमानन मंत्रालय में राज्यश मंत्री (जनरल) (डा.)विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)</u>

(क) एवं (ख): पटना हवाईअड्डा पर रनवे की लंबाई चौड़ाई के, बड़े आकार के विमान के परिचालन के अनुरूप नहीं होने,को ध्यान में रखते हुए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) एवं भारतीय वायु सेना के संयुक्त प्रयोग हेतु बिहटा मेंप्रति वर्ष 5 मिलयन यात्री (एमपीपीए) की वहनीय क्षमता वाले एक सिविल एंक्लेव का प्रस्ताव पारित किया गया है। बिहटा हवाईअड्डे पर , राज्य सरकार ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को 108 एकड़ की भूमि प्रदानकीहै। तथापि , अंतर्राष्ट्रीय परिचालन के लिए हवाईअड्डे को बड़े आकार के विमानों के अनुरूप बनाने हेतु , बिहार राज्य सरकार द्वारा रनवे को बढ़ाने के लिए 191.5 एकड़ एवं सिटी साइड के विकास के लिए 8 एकड़ भूमि उपलब्ध करवाना अपेक्षित है , जिसे अब तक उपलब्ध नहीं करवाया गया है।

(ग) एवं (घ): नागर विमानन मंत्रालय ने जनसाधारण हेतु विमान यात्रा किफायती बनाने के क्रम में देशभर में मौजूद अपरिचालित एवं अल्पपरिचालित हवाइअड्डों से क्षेत्रीय हवाई सम्पर्क को बढ़ाने के लिए दिनांक 21.10.2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) – उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) आरंभ की। उड़ान योजना बाजार चालित योजना है। इच्छुक एयरलाइने , आरसीएस के अंतर्गत बोली प्रक्रिया के समय अपने मांग के आकलन के आधार पर विशेष मार्गों पर प्रस्ताव प्रस्तुत करती है।

दिनांक 24.11.2021 तक, उड़ान योजना के अंतर्गत 393 मार्गों पर परिचालन आरंभ हो गया है , जिनमें 6 हेलपोर्ट एवं 2 वाटर एरोड्रम सहित 63 अपरिचालित/अल्पपरिचालित हवाईअड्डे शामिल हैं। बिहार के निम्नलिखित हवाईअड्डों को आरसीएस-उड़ान योजना दस्तावेज में शामिल किया गया है- आरा, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ (कैमूर) ,भागलपुर, बिहारशरीफ, बिहटा, बीरपुर, बक्सर, छपरा , दरभंगा , डेहरी ओन सोन , फारबिसगंज , हथवा , जहानाबाद , जोगबनी , कटिहार , किशनगंज , मधुबनी , मुंघेर, मोतिहारी,

मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नरिया, पंचनपुर, रक्सौल, सहरसा और वाल्मीकि नगर। ऐसा हवाईअड्डा जिसे आरसीएस – उड़ान योजना के अंतर्गत अवॉर्ड किए गए मार्गों की सूची में सम्मिलित किया गया है एवं आरसीएस योजना के अंतर्गत परिचालन प्रारंभ करने हेतु उन्नयन/विकास अपेक्षित है , उन्हें "अपरिचालित एवं अल्पपरिचालित हवाईअड्डों के पुनरुत्थान" योजना के अंतर्गत विकसित किया जाता है।

******